माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा 26 जून 2015 को आई0टी0 पार्क चण्डीगढ में इनफोसिस परिसर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में दिया गया भाषण।

इनफोसिस के डेवलपमेंट सेंटर हैड श्री विकास आहूजा जी, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रंधावा जी, अन्य महानुभाव, भाईयो व बहनो!

यह दो दिन की वर्क"ाप है, कार्य"ाला है जो आपके पिछले काम को ध्यान में रखते हुए publicity Strategy तैयार करने को आए हुए सभी leaders के लिए आयोजित की गई है। आप जानते हैं कि 21वीं शताब्दी, जिसमें हम रह रहें हैं, यह शताब्दी विकास की शताब्दी है, It is a century of development. आप यह भी जानते हैं कि विकास तकनीक के बिना नहीं हो सकता। इसलिए इस दे"ा को पूरे वि"व में विकास में अपने–आपको आगे करना है। उसका main back bone, मुख्य आधार है–तकनीक।

आप जब कहीं पर जाते हैं तो वहां पर आपका अपना एक impression होता है। मैं इस तरह की कम्पनी में, खासकर इनफोसिस में पहली बार आया हूं। यहां पर जो कुछ मैने देखा, सुना और जाना उससे मेरी तबीयत प्रसन्न हो गई। जैसे ही मैने प्रवे"ा किया उपर और नीचे सभी नौजवान दिख रहे थे। मुझे लगा कि यंग इंडिया तो यहां पर है, इनफोसिस में। और ज्यादा जानने के लिए मैने पूछा कि what is the average age of employees who work in this place, average age क्या है तो आपके हैड ने बताया कि average age 28 है।

आप जरा सोच सकते हैं कि 28 average age जहां पर है वहां जो व्यक्ति काम करते हैं, वे दे"ा की प्रगति के लिए और विकास के लिए कितनी बड़ी पूंजी हैं, कितना मतबूत मुख्य आधार हैं? पूरे वि"व में अन्य जो दे"ा हैं उनकी तुलना में अगर हम भारत का विचार करेंगे तो भारत अग्रणी इसलिए है क्योंकि यह यंग इंडिया है। 25 वर्ष की अवस्था के नीचे के लोग भारतवर्ष के अंदर 70 करोड हैं। 67 % of Young India. और इस Young India को पूरे वि"व के अंदर छा जाना है। दे"ा के प्रधानमंत्री make in India के माध्यम से जो प्राप्त करना चाहते हैं उसके लिए Digital India कितना जरूरी है। और यह प्राप्त करने के लिए जितनी बड़ी आबादी नौजवानों की भातरवर्ष के अंदर है, अन्य दे"ा में पूरे वि"व के अंदर कहीं नहीं है।

लेकिन यह प्रणीत कैसे होगा? आईडिया अच्छा है, संकल्प अच्छा है, मि"ान अच्छा है, planning अच्छी है। जैसी आप strategy बना रहे हैं, पूरे दे"ा के बारे में भी strategy बनाने की जब सरकार बात करती है तो हमारे पास किसी भी चीज की कमी नहीं हैं। लेकिन इसको अगर परिणाम में लाना है, इसको कार्यान्वित करना है, इसका सुखद फल देखना है, परिणाम देखना है तो हमारे नौजवानों को digitalized करना बहुत जरूरी है।

हमने भी और आपने भी कई बार पढा होगा कि आज हम कितना आगे चले गए हैं। नॉलेज के माध्यम से, टैक्नोलोजी के माध्यम से पूरी की पूरी दुनिया एक गांव बन

गई है, एक यूनिट बन गई है। एक गांव का मतलब है उस गांव के अंदर कहीं भी घटना होती है तो क्षण भर में सबको पता लग जाती है कि घटना क्या हो गई है। आज वि"व में कहीं भी कोई घटना होती है सबको एकदम पता लग जाता है। यह पूरा का पूरा वि"व एक गांव में बदल गया है। इसको एक करने के लिए सबसे बड़ी चीज क्या है? वह है I.T. इस पर हम विचार करते हैं तो इनफोसिस का इसमें बहुत बड़ा योगदान है। इसलिए हम सब लोग कृतार्थ हैं आपके संस्थापक चैयरमैन श्री एन0 आर0 नारायण मूर्ति जी के, बहुत ऋणी हैं। वे हैं बंगलोर के लेकिन 1981 में जाकर उन्होंने पुणे में I.T. को अपने दे"ा में प्रोत्साहित करने के लिए काम किया। हम जो 21वीं शताब्दी में I.T. का परिणाम देखना चाहते हैं उसके लिए उन्होंने 20वीं शताब्दी मे नींव रखी 1981 में। 1981 में पुणे से उन्होंने यह कंम्पनी शुरू की। 1983 में वे बंगलोर में आए। 1981 और 2015 यह बहुत लंबा समय नहीं है। लेकिन it is God's grace, यह भगवान की कृपा है कि यह कम्पनी देखते–देखते पूरे वि"व में छा गई। कोई continent ऐसा बचा नहीं है जहां इनफोसिस नहीं है। 176 हजार नौजवान इस कंम्पनी में काम करते हैं।

चण्डीगढ में इनफोसिस के बारे में, जैसे विकास जी बता रहे थे कि युनिट बहुत अच्छी है, सब तरह से अच्छी है। 38 एकड़ आपके पास जमीन है। 10 एकड़ और पड़ी है आपके पास। मैं यह पूछ रहा था कि 10 एकड़ जमीन जो आपके पास पड़ी है इसमें अगर आप विस्तार करते हैं तो कितने नौजवानों को और काम मिल जाएगा। 6000 तो अभी काम कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि 2500 नौजवानों को और काम मिल जाएगा। आप बहुत आगे निकल गए हैं और इसलिए मैं संक्षेप में यह कहना चाहता हूं कि आप 21वीं शताब्दी में बहुत बड़ी आ"ाा का केन्द्र हैं।

21वीं शताब्दी में वि"व के नक"ो में भारतवर्ष को हम जिस उंचाई पर ले जाना चाहते हैं उसमें इनफोसिस बहुत मददगार होगी। यह कम्पनी इस क्षेत्र के लिए भी बहुत सुखद है। ज्यादातर जो यहां पर काम कर रहें है वे ओल्ड पंजाब के हैं। हम जानते हैं कि पंजाब का विभाजन नवम्बर 1966 में हुआ। इससे पहले तो सब एक ही था–पंजाब, चण्डीगढ, हरियाणा, हिमाचल प्रदे"ा। Most of the employees belong to this religion. Technology की यह कम्पनी, digital India बनाने में इसका इतना बड़ा योगदान, लेकिन हमारे दे"ा की जो पुरानी संस्कृति है उसको भी यह भूली नहीं है। जब आप technology की बात करते हैं, digitilization की बात करते हैं तो सामान्यतः आप अपनी जड़ को भूल जाते हैं। इनफोसिस कम्पनी ने पूरे दे"ा में इनफोसिस फाउंडे"ान नाम का एन.जी.ओ. भी बनाया है। चण्डीगढ के लिए अलग है जिसका नाम है 'अनपढ'। उसके तहत चलने वाले कार्यक्रम भातरवर्ष की जो पुरानी कल्चर है, भारतवर्ष की जो आत्मा है, भारतवर्ष की जो संस्कृति है, उसको प्रतिबिम्बित करते हैं।

हमारे उपर समाज का ऋण है कि हम under privileged लोग नहीं हैं, privileged लोग हैं, ऐसा भी कह सकते हैं कि super privileged हैं। यह सब समाज के बल पर हुआ। समाज के अंदर जो हमारे लिए काम कर रहें है उनके बल पर हुआ है। हमको जो यह स्थिति मिली है यह समाज के कारण मिली है। आप

इतना अच्छा पढ–लिखकर अच्छे ओहदे पर, अच्छे स्थान पर, अच्छे पद पर पहुचे हैं। आप आई.ए.एस, आई.पी.एस, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील बनते हैं। आप लीडर, एम.एल.ए, एम.पी, पी.एम. बनते हैं। किसके बल पर बनते हैं? समाज के बल पर बनते हैं। यह नीचे लाईन के आखिर में जो व्यक्ति खड़ा है उसके परिश्रम से बनते हैं। इसलिए उनको भूल जाना कृतघ्नता होगी। जिनके बल पर आप बनते हैं उस समाज का आपके उपर ऋण है, उसका बहुत बड़ा योगदान है। उस योगदान को पहचानकर उसके लिए कुछ करना, उसके लिए कुछ त्याग करना, कुछ देना, कुछ अर्पित करना यह हम सबका कर्त्तव्य है।

इसलिए इनफोसिस फाउंडे"ान के नाम से 'अनपढ' नाम की जो लोकल संस्था है इस बात का प्रमाण है कि आप अंत–उदय को भूले नहीं हैं। अंत–उदय का मतलब ही यही होता है–last man in the line. जो अंत में खड़ा हुआ है उसकी चिंता, उसकी development। यह हमारे दे"ा की संस्कृति है, समाज का ऋण उतारने का उपक्रम है। उसको आप छोड़ेंगे नहीं। अभी मैने 80 चुने हुए बच्चों को जो under privileged हैं, जिनके बल पर हम आगे बढे, उन बच्चों को आर्थिक सहयोग दिया है। आप 'अनपढ' के नाम से 350 बच्चों की ि"ाक्षा की व्यवस्था करते हैं। आप under Health Care, Education, Sustanability, Electricity की बात करते हैं। You are taking so much care of the society for those who are needy. इस क्षेत्र में भी आप बहुत आगे हैं। इस सबके लिए मेरा बहुत–बहुत आ"ाीर्वाद है। ये जितने भी काम हैं इनफोसिस का काम आगे बढाना, उद्दे"य को प्राप्त करने के लिए आगे बढना, employer का काम, employed का भला, उनकी समस्याएं, साथ ही समाज के बारे में जो आप सब अच्छा काम कर रहें हैं वह सराहनीय है।

दो दिन का कैंप है आपका। आप उसमें बड़े ढंग से विचार करेंगे। इस उद्घाटन के सत्र में मैं आप सबके बीच में आया हूं। मेरा आप सबको बहुत–बहुत आ"ाीर्वाद है। और इनफोसिस जो एक प्रयास है भारतवर्ष के विकास का, भारतवर्ष को डिजिटल इंडिया बनाने का, स्किल डवैल्पमैंट का, make in India के माध्यम से पूरे वि"व में छा जाने का, इसमें आप, आपका परिश्रम, आपकी योजनाएं जरूर योगदान देंगी और उसको फलीभूत करेंगी।

बहुत बहुत धन्यवाद!